चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 11 जुलाई 2026, अंक –308.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

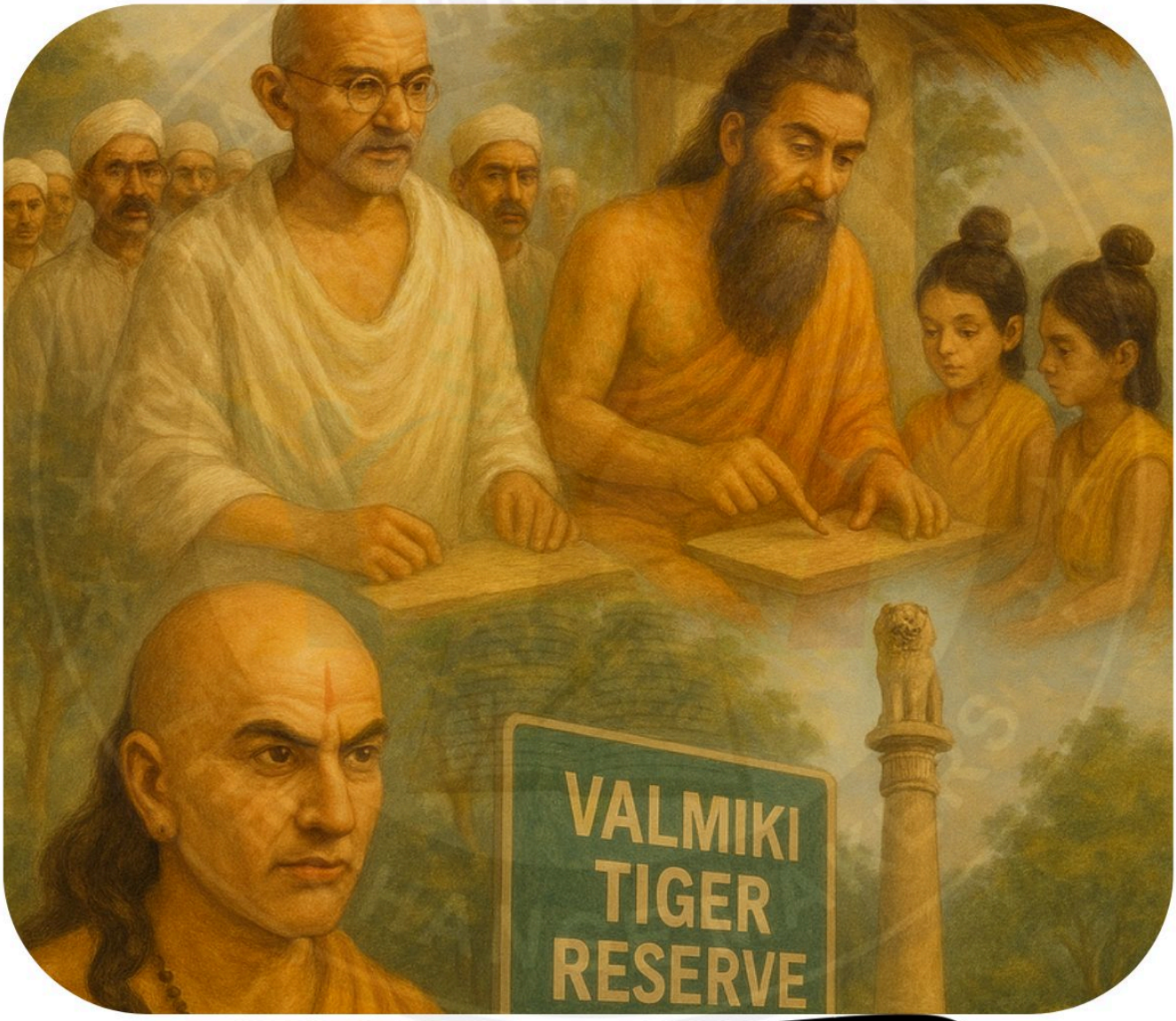

"कर्म ही पूजा है।"

- श्रीमद्भागवत गीता

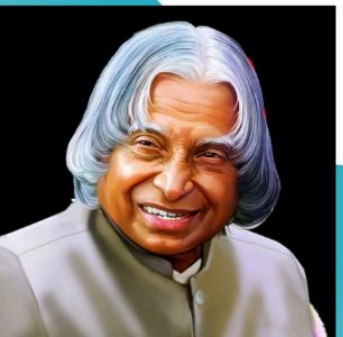

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. फ्रांस की राजधानी क्या है?
उत्तर: पेरिस
प्रश्न 2. भारत के पहले भारतीय मुख्य न्यायाधीश (Chief Justice of India) कौन थे?
उत्तर: एम. पतंजलि शास्त्री
प्रश्न 3. 'बांस नृत्य (चेराव)' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: मिजोरम
प्रश्न 4. यदि किसी संख्या के केवल दो गुणनखंड (1 और स्वयं) हों, तो वह क्या कहलाती है?
उत्तर: अभाज्य संख्या
प्रश्न 5. बिहार के किस जिले में प्रसिद्ध 'सिमुलतला' पर्वतीय पर्यटन स्थल स्थित है?
उत्तर: जमुई
प्रश्न 6. मानस राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: असम
प्रश्न 7. टाइपराइटर का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: क्रिस्टोफर शोल्स
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार (Right to Education) दिया गया है?
उत्तर: अनुच्छेद 21A
प्रश्न 9. 'जो कभी पराजित न हो' — इसके लिए एक शब्द क्या होगा?
उत्तर: अपराजेय
प्रश्न 10. पौधे मिट्टी से जल और खनिज लवण किस भाग द्वारा ग्रहण करते हैं?
उत्तर: जड़

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Potato – (पोटेटो) – आलू
Tomato – (टोमेटो) – टमाटर
Onion – (अनियन) – प्याज़
Carrot – (कैरट) – गाजर
Cabbage – (कैबेज) – पत्तागोभी
Cauliflower – (कॉलीफ्लॉवर) – फूलगोभी
Spinach – (स्पिनिच) – पालक

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: “वह ... नहीं सकता/सकती है” (He/She cannot / He/She can't ...)

वह तैर नहीं सकता है। – He cannot swim.
वह गाड़ी नहीं चला सकता है। – He cannot drive.
वह झूठ नहीं बोल सकता है। – He cannot tell a lie.
वह इतना ऊँचा नहीं कूद सकता है। – He cannot jump so high.
वह यह प्रश्न हल नहीं कर सकता है। – He cannot solve this question.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 11 जुलाई को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है?
उत्तर: विश्व जनसंख्या दिवस
व्याख्या: प्रतिवर्ष 11 जुलाई को "विश्व जनसंख्या दिवस" (World Population Day) मनाया जाता है। इसकी स्थापना संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) ने 1989 में की थी। यह दिवस 11 जुलाई 1987 को "पाँच अरब दिवस" (Day of Five Billion) की प्रेरणा से बना। UNGA ने दिसंबर 1990 में प्रस्ताव 45/216 पारित कर इसे औपचारिक मान्यता दी। इस दिवस का उद्देश्य परिवार नियोजन, लैंगिक समानता, मातृ स्वास्थ्य और मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वर्ष 2026 की थीम है: "युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं को साकार करना — आज और भविष्य के लिए।" 2026 में विश्व की जनसंख्या 8.3 अरब से अधिक है। 2023 में भारत चीन को पीछे छोड़कर विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बना।
संदर्भ: UNDP — World Population Day; UN Resolution 45/216, 1990; nextias.com World Population Day 2026;

प्र.2. 9 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री मोदी की ऑस्ट्रेलिया यात्रा में "तृतीय भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन" संपन्न हुआ — इसमें किस महत्वपूर्ण परमाणु सहयोग की घोषणा हुई?
उत्तर: यूरेनियम निर्यात व्यवस्था
व्याख्या: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 8-10 जुलाई 2026 की ऑस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान मेलबर्न में "तृतीय भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन" आयोजित हुआ जिसमें ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ के साथ यूरेनियम निर्यात व्यवस्था को अंतिम रूप देने की घोषणा हुई। ऑस्ट्रेलिया के पास विश्व के सर्वाधिक यूरेनियम भंडार हैं। यह भारत की परमाणु ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं — 2032 तक 22,480 MW परमाणु क्षमता का लक्ष्य — के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह यात्रा भारत की "MAHASAGAR Vision" और "Act East Policy" के अंतर्गत इंडो-पैसिफिक सहयोग को मजबूती प्रदान करती है। PM मोदी ने 10-11 जुलाई को न्यूज़ीलैंड की ऐतिहासिक यात्रा भी की जो किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 40 वर्षों में पहली यात्रा थी।
संदर्भ: pmindia.gov.in — 3rd India-Australia Annual Summit, 9 July 2026

प्र.3. "हिंद स्वराज" (Hind Swaraj) पुस्तक के लेखक कौन हैं, जो 1909 में लिखी गई और जिसमें आधुनिक सभ्यता, ब्रिटिश शासन एवं भारत के स्वराज की अवधारणा पर विचार प्रस्तुत किए गए?
उत्तर: महात्मा गाँधी
व्याख्या: "हिंद स्वराज" (Hind Swaraj or Indian Home Rule) महात्मा गाँधी द्वारा 1909 में इंग्लैंड से दक्षिण अफ्रीका की समुद्री यात्रा के दौरान लिखी गई। यह मूलतः गुजराती में लिखी गई और गाँधीजी ने स्वयं इसका अंग्रेजी अनुवाद किया। इस पुस्तक में गाँधीजी ने आधुनिक औद्योगिक सभ्यता, रेलवे, वकीलों और डॉक्टरों की भूमिका पर तीखा प्रश्न उठाया। उन्होंने तर्क दिया कि असली स्वराज (Self-Rule) केवल ब्रिटिशों को हटाने से नहीं, बल्कि नैतिक और आत्मिक जागृति से प्राप्त होगा। ब्रिटिश सरकार ने इस पुस्तक को प्रतिबंधित कर दिया था। यह पुस्तक गाँधीजी की विचारधारा की आधारशिला मानी जाती है।
संदर्भ: महात्मा गाँधी — "Hind Swaraj", 1909; NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India,

प्र.4. "जनसांख्यिकीय लाभांश" (Demographic Dividend) क्या है, और भारत इसका लाभ किस अनुमानित वर्ष तक उठा सकता है?
उत्तर: कार्यशील जनसंख्या की बहुलता; 2055-2060
व्याख्या: "जनसांख्यिकीय लाभांश" (Demographic Dividend) वह आर्थिक वृद्धि की अवधि है जब किसी देश की कुल जनसंख्या में कार्यशील आयु वर्ग (15-64 वर्ष) का अनुपात बच्चों और वृद्धों की तुलना में अधिक होता है। अधिक कार्यशील जनसंख्या = अधिक उत्पादन, बचत और निवेश। UNFPA के अनुसार भारत लगभग 2055-2060 तक जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठा सकता है। वर्तमान में भारत की लगभग 65% जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। इस लाभांश का उपयोग करने के लिए कौशल विकास, रोजगार सृजन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। जापान और इटली "जनसांख्यिकीय संकट" (Silver Tsunami) का सामना कर रहे हैं जहाँ वृद्ध जनसंख्या का अनुपात अत्यधिक है।
संदर्भ: NCERT Social Science Class 9, Ch 6 Population, p. 70;

प्र.5. "गांधार शैली" (Gandhara Style) की मूर्तिकला किस काल में विकसित हुई और इस पर किस विदेशी कला शैली का प्रमुख प्रभाव है?
उत्तर: कुषाण काल; यूनानी-रोमन (Greco-Roman)
व्याख्या: गांधार कला शैली पहली से पाँचवीं शताब्दी ईसवी में कुषाण वंश के शासनकाल में वर्तमान अफगानिस्तान और पाकिस्तान के गांधार क्षेत्र में विकसित हुई। इस पर यूनानी-रोमन (Greco-Roman) कला शैली का स्पष्ट प्रभाव है — जैसे लहरदार बाल, शरीर की संरचना, पत्थर से निर्मित बुद्ध की मूर्तियाँ। बुद्ध की प्रथम मानवीय मूर्तियाँ इसी शैली में बनाई गईं, इससे पूर्व बुद्ध को बोधिवृक्ष, पदचिह्न और छत्र जैसे प्रतीकों द्वारा दर्शाया जाता था। मथुरा शैली इसी काल की एक भारतीय शैली थी जो लाल बलुआ पत्थर से निर्मित होती थी। गुप्त काल में "सारनाथ शैली" में बुद्ध की सबसे आदर्श मूर्तियाँ बनाई गईं।
संदर्भ: NCERT History Class 12, Theme 4 Thinkers Beliefs and Buildings, p. 88–91;

प्र.6. "मानसून" (Monsoon) शब्द किस भाषा से आया है और भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून सर्वप्रथम किस राज्य में प्रवेश करता है?
उत्तर: अरबी ("मौसिम"); केरल
व्याख्या: "मानसून" शब्द अरबी भाषा के "मौसिम" (Mausim) शब्द से आया है जिसका अर्थ "ऋतु" होता है। भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्यतः 1 जून को केरल के तट पर पहुँचता है और धीरे-धीरे उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ता है। मानसून दो शाखाओं में भारत में प्रवेश करता है — अरब सागर शाखा (पश्चिमी तट/केरल से) और बंगाल की खाड़ी शाखा (पूर्वोत्तर भारत से)। बिहार सहित उत्तर भारत में मानसून जुलाई में पहुँचता है। भारत की लगभग 75-80% वार्षिक वर्षा दक्षिण-पश्चिम मानसून से होती है। चंपारण में जुलाई में मानसून की सक्रियता गंडक और बागमती नदियों में बाढ़ का कारण बनती है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 4 Climate, p. 33–40;

प्र.7. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 148 के अंतर्गत "भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक" (CAG) की नियुक्ति कौन करता है और उनका कार्यकाल कितने वर्षों का होता है?
उत्तर: राष्ट्रपति; 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु (जो पहले हो)
व्याख्या: अनुच्छेद 148 के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (Comptroller and Auditor General of India — CAG) की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। उनका कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु — जो भी पहले हो — होता है। CAG को केवल उसी प्रकार हटाया जा सकता है जिस प्रकार सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को — अर्थात् संसद के दोनों सदनों के विशेष बहुमत से पारित महाभियोग प्रस्ताव पर। CAG केंद्र, राज्य और सरकारी उपक्रमों के खातों की लेखा-परीक्षा करता है। इसे भारतीय लोकतंत्र का "प्रहरी" (Guardian of Public Purse) भी कहा जाता है। डॉ. अंबेडकर ने CAG को "भारत के संविधान का सबसे महत्वपूर्ण अधिकारी" बताया था।

प्र.8. "ISRO" ने जुलाई 2026 में LVM3-M7 मिशन के लिए "CE20 क्रायोजेनिक इंजन" का परीक्षण किया — क्रायोजेनिक इंजन किन ईंधनों का उपयोग करता है और यह अन्य इंजनों से क्यों अधिक शक्तिशाली होता है?
उत्तर: द्रव हाइड्रोजन और द्रव ऑक्सीजन
व्याख्या: क्रायोजेनिक इंजन (Cryogenic Engine) में "द्रव हाइड्रोजन" (Liquid Hydrogen — LH2) ईंधन के रूप में और "द्रव ऑक्सीजन" (Liquid Oxygen — LOX) ऑक्सीडाइज़र के रूप में उपयोग होता है। ये दोनों अत्यंत निम्न तापमान (−253°C और −183°C) पर द्रव अवस्था में रखे जाते हैं। क्रायोजेनिक इंजन का Specific Impulse (ईंधन दक्षता का मापक) ठोस या तरल ईंधन इंजनों से कहीं अधिक होता है — इसीलिए यह समान ईंधन में अधिक भार अंतरिक्ष में ले जाने में सक्षम है। ISRO ने इस तकनीक को स्वदेशी रूप से विकसित किया। ISRO के CE7.5 और CE20 क्रायोजेनिक इंजन GSLV और LVM3 रॉकेटों की ऊपरी चरण में उपयोग होते हैं।

प्र.9. "प्रम्बानन मंदिर परिसर" (Prambanan Temple Complex) — जिसे PM मोदी ने 8 जुलाई 2026 को इंडोनेशिया में देखा — किस धर्म से संबंधित है और यह किस देश में स्थित है?
उत्तर: हिंदू धर्म (शैव); इंडोनेशिया (योग्याकार्ता)
व्याख्या: प्रम्बानन मंदिर परिसर इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर योग्याकार्ता के निकट स्थित 9वीं शताब्दी का एक विशाल हिंदू मंदिर परिसर है जो भगवान शिव, ब्रह्मा और विष्णु को समर्पित है। यह दक्षिण-पूर्व एशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर परिसर है और UNESCO विश्व धरोहर स्थल है। इसका मुख्य मंदिर "शिव महादेव" को समर्पित 47 मीटर ऊँचा है। PM मोदी ने 8 जुलाई 2026 को इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो के साथ इस मंदिर का दौरा किया — यह भारत-इंडोनेशिया के बीच गहरे सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक है। इंडोनेशिया विश्व का सबसे बड़ा मुस्लिम-बहुल देश है, फिर भी यहाँ हिंदू-बौद्ध सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है।
संदर्भ: UNESCO World Heritage List — Prambanan Temple; indiatvnews.com PM Modi Indonesia Visit, 8 July 2026;

प्र.10. बिहार में किस वर्ष "जनसंख्या नियंत्रण नीति" के स्थान पर "जनसंख्या स्थिरीकरण नीति" अपनाई गई और बिहार की वर्तमान अनुमानित जनसंख्या कितनी है?
उत्तर: 2000 में; लगभग 13 करोड़
व्याख्या: बिहार राज्य ने 2000 में राष्ट्रीय जनसंख्या नीति के अनुरूप "जनसंख्या स्थिरीकरण नीति" अपनाई। 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार की जनसंख्या लगभग 10.4 करोड़ थी। 2026 के आकलन के अनुसार बिहार की जनसंख्या लगभग 12.5-13 करोड़ तक पहुँचने का अनुमान है। बिहार जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से भारत के सबसे सघन राज्यों में से एक है। TFR (कुल प्रजनन दर) में बिहार में सुधार हो रहा है — 2011 में 3.4 से घटकर अब 2.98 के करीब है। "सात निश्चय" और "जल जीवन हरियाली" जैसी योजनाओं से स्वास्थ्य एवं शिक्षा में सुधार से जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित हो रही है।
संदर्भ: NCERT Social Science Class 9, Ch 6 Population, p. 63;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जुलाई माह के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, बाढ़ के दौरान यदि विद्यालय में भोजन की आपूर्ति बाधित हो जाए, तो किन खाद्य पदार्थों को "सुरक्षित आपातकालीन आहार" के रूप में संग्रहीत रखा जाना चाहिए?

उत्तर: चूड़ा, गुड़, सत्तू, बिस्कुट, सूखे मेवे

व्याख्या: BSDMA के विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के बाढ़ खाद्य सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, बाढ़ प्रभावित विद्यालयों में "आपातकालीन खाद्य संग्रह" (Emergency Food Stock) में वे पदार्थ रखे जाने चाहिए जो: (1) बिना पकाए खाए जा सकें, (2) लंबे समय तक खराब न हों, (3) पोषण से भरपूर हों। इसमें चूड़ा (चिवड़ा), गुड़, सत्तू (भुने चने का आटा), बिस्कुट और सूखे मेवे आदर्श हैं। बिहार की स्थानीय परंपरा में बाढ़ के समय चूड़ा-गुड़ का उपयोग सदियों से आपदा भोजन के रूप में होता रहा है। ORS (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट) और शुद्ध पेयजल भी आपातकालीन संग्रह में सम्मिलित होना चाहिए। उत्तर बिहार के बाढ़-प्रवण विद्यालयों के लिए यह तैयारी प्रतिवर्ष जून से पहले कर लेनी चाहिए।

संदर्भ: BSDMA Flood Food Safety Module, Vidyalaya Suraksha Karyakram; bsdma.org;

प्र.12. एक कक्षा में 5 छात्रों के गणित में प्राप्तांक हैं: 72, 85, 90, 68, 75। इनका माध्य (Mean), माध्यिका (Median) और बहुलक (Mode) ज्ञात करें।

उत्तर: माध्य = 78; माध्यिका = 75; बहुलक = अनुपस्थित (No Mode)

व्याख्या: माध्य (Mean): सभी अंकों का योग ÷ कुल संख्या = (72+85+90+68+75) ÷ 5 = 390 ÷ 5 = 78। माध्यिका (Median): पहले आरोही क्रम में लिखें: 68, 72, 75, 85, 90। 5 संख्याओं की मध्य (3rd) संख्या = 75। बहुलक (Mode): कोई भी संख्या एक से अधिक बार नहीं आई, अतः इस डेटा में कोई बहुलक नहीं है। "माध्य, माध्यिका और बहुलक" केंद्रीय प्रवृत्ति के तीन मापक हैं जो BPSC, SSC, Railway और सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के सांख्यिकी खंड में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 9, Ch 14 Statistics — Mean Median Mode, p. 245–255

GK संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण।

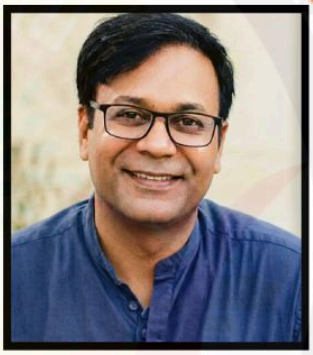

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Querulous (क्वेरुलस) = Complaining (कम्प्लेनिंग) = शिकायत करने वाला / कुड़कुड़ाने वाला

Antonym – Cheerful (चियरफुल) = प्रसन्नचित्त

Resilient (रिज़िलिएंट) = Adaptable (अडैप्टेबल) = लचीला / विपरीत परिस्थितियों से शीघ्र उबरने वाला

Antonym – Fragile (फ्रैजाइल) = नाज़ुक

Stoic (स्टोइक) = Unemotional (अनइमोशनल) = धैर्यवान / भावनाओं पर नियंत्रण रखने वाला

Antonym – Emotional (इमोशनल) = भावुक

Tacit (टैसिट) = Implied (इम्प्लाइड) = मौन रूप से व्यक्त / अप्रकट

Antonym – Explicit (एक्सिप्लिसिट) = स्पष्ट रूप से व्यक्त

Vehement (वीहमेन्ट) = Forceful (फोर्सफुल) = प्रबल / तीव्र

Antonym – Mild (माइल्ड) = मृदु / हल्का

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. PM Modi Concludes Australia Visit with 18 Landmark Outcomes: Civil Nuclear Deal, ACITI Trilateral, Defence Declaration & 3 Antiquities Return

हिन्दी अनुवाद: PM मोदी की ऐतिहासिक ऑस्ट्रेलिया यात्रा संपन्न: परमाणु ऊर्जा समझौता, ACITI त्रिपक्षीय साझेदारी, रक्षा घोषणा और 3 प्राचीन भारतीय मूर्तियाँ वापस।

PM मोदी और ऑस्ट्रेलियाई PM एंथनी अल्बनीज़ ने मेलबर्न में तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन में 18 प्रमुख समझौते किए। प्रमुख परिणाम: (1) परमाणु सहयोग — 2014 के नागरिक परमाणु समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया से भारत को IAEA सुरक्षा के तहत यूरेनियम निर्यात की व्यवस्था; ऑस्ट्रेलिया ने NSG में भारत की सदस्यता को पुनः समर्थन दिया; (2) ACITI — भारत, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा की पहली त्रिपक्षीय तकनीक-नवाचार साझेदारी (AI, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा, क्रिटिकल मिनरल्स); (3) रक्षा और सुरक्षा संयुक्त घोषणा 2026 — अंतर-संचालनीयता, सूचना साझाकरण, समुद्री सहयोग; (4) Gaganyaan — Cocos (Keeling) द्वीप पर ट्रैकिंग स्टेशन; (5) Flinders University बेंगलुरु परिसर तथा Victoria University गुरुग्राम परिसर; (6) ऑस्ट्रेलिया से 3 भारतीय पुरातन प्रतिमाएं (नंदी, भद्रकाली त्रिशूल, षण्मुख/स्कन्द) वापस आईं।

2. India Emerges as World's Largest Hub for Retail & FMCG Global Capability Centres: McKinsey-FICCI Report; 180 GCCs, 2.72 Lakh Professionals

हिन्दी अनुवाद: McKinsey-FICCI रिपोर्ट: भारत रिटेल व FMCG GCC का विश्व का सबसे बड़ा केंद्र — 180 केंद्र, 2.72 लाख पेशेवर; 2030 तक $100 अरब का लक्ष्य।

भारत का GCC पारिस्थितिकी तंत्र 1,750 से अधिक केंद्रों और लगभग 19.5 लाख पेशेवरों के साथ प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं, रिटेल, FMCG, स्वास्थ्य और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में $64 अरब (FY25) का उद्योग है। 13वें इंडिया रिटेल एवं FMCG समिट 2026 में जारी इस रिपोर्ट के अनुसार भारत के प्रमुख GCC हब बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, चेन्नई, मुंबई और दिल्ली-NCR हैं। GCC (पूर्व नाम: Global In-house Centres या GICs) वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनियों की स्वामित्व-वाली offshore delivery इकाइयाँ हैं।

3. Nikola Tesla Day Observed on 10 July: India Celebrates the Pioneer of Alternating Current

हिन्दी अनुवाद: 10 जुलाई: निकोला टेस्ला दिवस — AC विद्युत के जनक की 170वीं जयंती; भारत में STEM प्रेरणा का प्रतीक।

10 जुलाई को निकोला टेस्ला दिवस मनाया जाता है, जो सर्बियाई-अमेरिकी आविष्कारक और विद्युत इंजीनियर निकोला टेस्ला की जन्म-वर्षगाँठ है जिनका जन्म 10 जुलाई 1856 को Smiljan (तत्कालीन ऑस्ट्रियाई साम्राज्य, आज का क्रोएशिया) में हुआ था। (Press Information Bureau) टेस्ला ने प्रत्यावर्ती धारा (AC) विद्युत प्रणाली, रेडियो प्रसारण, X-किरण अनुसंधान और रिमोट कंट्रोल के क्षेत्र में क्रांतिकारी आविष्कार किए। यह दिवस UPSC/BPSC/SSC परीक्षाओं में 'महत्वपूर्ण दिवस' श्रेणी में सदा प्रासंगिक रहता है।

INTERNATIONAL NEWS

1. Iran Assembly of Experts Convenes to Elect New Supreme Leader; Mojtaba Khamenei Still Not Seen Publicly

हिन्दी अनुवाद: ईरान की विशेषज्ञ परिषद नए सर्वोच्च नेता चुनने के लिए बैठी; मोजतबा खामेनेई अभी भी अदृश्य — वैश्विक निगाहें ईरान पर।

खामेनेई की मशहद में अंत्येष्टि के बाद ईरान की Assembly of Experts नए सर्वोच्च नेता के चुनाव के लिए बैठी है। 86 सदस्यीय यह परिषद ईरान के 'वेलायत-ए-फ़क़ीह' (सर्वोच्च इस्लामी नेता) का चुनाव करती है। मोजतबा खामेनेई — जो 28 फरवरी के हमले में घायल बताए गए हैं — अभी भी सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे हैं। अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता एवं होर्मुज़ जलडमरूमध्य की स्थिति नए नेता के फैसले पर निर्भर रहेगी।

2. IMF Revises India's GDP Growth Forecast Upward to 6.4% for FY2026-27; Global Uncertainty Still a Risk

हिन्दी अनुवाद: IMF ने FY2026-27 के लिए भारत की GDP वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.4% किया; वैश्विक अनिश्चितता अभी भी जोखिम।

IMF ने भारत की GDP वृद्धि दर का अनुमान FY2026-27 के लिए 6.4% पर संशोधित किया है। (Press Information Bureau) यह संशोधन मज़बूत घरेलू माँग, बुनियादी ढाँचे में सार्वजनिक निवेश और डिजिटल अर्थव्यवस्था की तेज़ रफ्तार को दर्शाता है। हालाँकि IMF ने अमेरिका-ईरान तनाव, होर्मुज़ जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति के जोखिम और वैश्विक व्यापार अनिश्चितता को प्रमुख जोखिम करार दिया है।

3. UNCTAD World Investment Report 2026 Released: Global FDI Falls 8%; India Retains Top-5 FDI Destination Status

हिन्दी अनुवाद: UNCTAD विश्व निवेश रिपोर्ट 2026 जारी: वैश्विक FDI 8% घटा; भारत शीर्ष-5 FDI गंतव्य की स्थिति बरकरार रखे।

UNCTAD विश्व निवेश रिपोर्ट 2026 (Press Information Bureau) के अनुसार वैश्विक FDI में 8% की गिरावट आई है, मुख्यतः भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार अनिश्चितता के कारण। इसके बावजूद भारत शीर्ष-5 FDI गंतव्य देशों में बना हुआ है। भारत में FDI के प्रमुख क्षेत्र — डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और GCC — रहे। यह रिपोर्ट UPSC/BPSC परीक्षाओं में अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय व्यापार वर्ग में महत्वपूर्ण है।

BIHAR NEWS

1. Bihar Flood Worsens: Over 25 Lakh People Affected Across 10 Districts; CM Nitish Reviews Relief Ops
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 10 ज़िलों में 25 लाख से अधिक लोग प्रभावित; CM नीतीश ने समीक्षा बैठक की; सामुदायिक रसोई और पशु चिकित्सा सेवाएं शुरू।
गंगा, गंडक, कोसी, बागमती और महानंदा सहित सभी प्रमुख नदियाँ अपने जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण उफान पर हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों की निगरानी के लिए अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। (COLLEGE SIMPLIFIED) उन्होंने निर्देश दिया कि प्रभावित लोगों को सामुदायिक रसोई के माध्यम से आश्रय और पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जाए और पशुओं के लिए चारे तथा पशु चिकित्सा सेवाओं की व्यवस्था की जाए। साथ ही किसानों की फसल क्षति का आकलन करने के लिए कृषि और आपदा प्रबंधन विभाग को निर्देशित किया। (COLLEGE SIMPLIFIED) पश्चिम चम्पारण और पूर्वी चम्पारण में वर्षा-पोषित नदियों में भारी प्रवाह से बाढ़ के हालात; सीतामढ़ी में बागमती सहित सभी नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर।

2. BPSC 72nd CCE Prelims Admit Card Released; Exam on July 26 — 1,142 Posts, New 5th MCQ Option Active
हिन्दी अनुवाद: BPSC 72वीं CCE प्रारंभिक परीक्षा का Admit Card जारी; 26 जुलाई को परीक्षा — 1,142 पद, नया 5वाँ MCQ विकल्प 'E' लागू।
BPSC ने 72वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगी परीक्षा का Admit Card आधिकारिक वेबसाइट bpsc.bihar.gov.in पर जारी कर दिया है। परीक्षा 26 जुलाई 2026 (रविवार) को होगी। कुल 1,142 पद हैं जिनमें SDO, DSP, District Commandant, Sub Registrar जैसे महत्वपूर्ण पद शामिल हैं। MCQ में नया 5वाँ विकल्प 'E' (Not Attempted) लागू है — सभी अभ्यर्थी अभी Admit Card डाउनलोड करें और परीक्षा केंद्र एवं समय की जाँच करें।

SPORTS NEWS

1. FIFA WC Quarter-Final: Mbappe Scores 20th Career WC Goal; France Beat Morocco 2-0 — Into Semis for 3rd Straight Time
हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप क्वार्टर-फाइनल: एम्बापे का 20वाँ विश्व कप करियर गोल; फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराया — लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में।
9 जुलाई को Boston के Gillette Stadium में एम्बापे ने 60वें मिनट में (पहले हाफ में एक पेनल्टी मिस के बाद) और डेम्बेले ने 66वें मिनट में गोल किए। फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। (Olympics) (ESPN) एम्बापे के अब इस टूर्नामेंट में 8 गोल हो गए हैं — मेसी के 8 गोलों की बराबरी; लेकिन एम्बापे के 3 assist बनाम मेसी के 1 assist से Golden Boot दौड़ में एम्बापे आगे। (NBC News) फ्रांस लगातार तीसरे विश्व कप फाइनल में पहुँचने की कोशिश में है — केवल इटली (1934-38) और ब्राज़ील (1994-98) ने यह उपलब्धि हासिल की है। (Al Jazeera) अगला मुकाबला: स्पेन या बेल्जियम के विजेता से सेमीफाइनल 14 जुलाई को Dallas में।

2. FIFA WC Quarter-Final Today (July 10): Spain vs Belgium at SoFi Stadium, LA — Battle for Semifinal Spot Against France
हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप क्वार्टर-फाइनल आज (10 जुलाई): SoFi Stadium, Los Angeles में स्पेन बनाम बेल्जियम — फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल की सीट के लिए महाभिड़ंत।
10 जुलाई को दोपहर 3 बजे (ET) SoFi Stadium, Inglewood (Los Angeles) में स्पेन बनाम बेल्जियम का क्वार्टर-फाइनल होगा। (ESPN) स्पेन ने Portugal को 1-0 से हराकर क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाई और पूरे टूर्नामेंट में एक भी गोल नहीं खाया है। बेल्जियम ने USMNT को 4-1 से रौंदा था। विजेता टीम 14 जुलाई को Dallas में फ्रांस से भिड़ेगी। बेल्जियम का फ्रांस के खिलाफ हालिया रिकॉर्ड कमज़ोर है — लगातार 5 हार। कल (11 जुलाई) नॉर्वे बनाम इंग्लैंड और अर्जेंटीना बनाम स्विट्ज़रलैंड के क्वार्टर-फाइनल होंगे।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

🌟 "पढ़ोगे तो बढ़ोगे, जानोगे तो पहचाने जाओगे।"

ज्ञान ही वह शस्त्र है जो हर परीक्षा में विजय दिलाता है — अध्ययन जारी रखें।

अनुभाग-6

प्रेरक बाल एकांकी
"स्वच्छ परिसर, स्वस्थ भविष्य"
(इको क्लब गतिविधि – स्वच्छ परिसर एवं स्वच्छ शौचालय)

पात्र: शिक्षक, अंश, आमना, प्रियांशु, अन्य छात्र।

दृश्य: विद्यालय का प्रांगण। प्रार्थना सभा के बाद शिक्षक बच्चों को इको क्लब की गतिविधि के बारे में बता रहे हैं।

शिक्षक: बच्चों! आज इको क्लब के अंतर्गत "स्वच्छ परिसर एवं स्वच्छ शौचालय" अभियान पर चर्चा होगी। बताओ, क्या केवल घर की सफाई करना ही पर्याप्त है?

अंश: नहीं सर! विद्यालय भी हमारा दूसरा घर है। इसे स्वच्छ रखना भी हमारी जिम्मेदारी है।

आमना: सर, कई बच्चे टिफिन खाने के बाद रैपर और प्लास्टिक यहीं-वहीं फेंक देते हैं। इससे परिसर गंदा हो जाता है।

प्रियांशु: और कुछ बच्चे शौचालय का उपयोग तो करते हैं, लेकिन उसे साफ़ नहीं छोड़ते। इससे दूसरे बच्चों को परेशानी होती है।

शिक्षक: बिल्कुल सही। याद रखो, स्वच्छता केवल सफाई कर्मचारी की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की आदत होनी चाहिए। शौचालय का सही उपयोग करना, पानी व्यर्थ न बहाना, फ्लश करना और हाथों को साबुन से धोना भी स्वच्छता का हिस्सा है।

अंश: सर, अगर कोई कचरा फैलाए तो क्या करें?

शिक्षक: उसे प्यार से समझाएँ। डाँटने से नहीं, अच्छी आदत अपनाने से बदलाव आता है।

आमना: आज से हम गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबिन में डालेंगे।

प्रियांशु: और रोज़ पाँच मिनट अपने विद्यालय की स्वच्छता के लिए भी देंगे।

शिक्षक: शाबाश! याद रखो—जहाँ स्वच्छता होती है, वहीं स्वास्थ्य, अनुशासन और सम्मान भी होता है।

सभी बच्चे (एक साथ):

"स्वच्छ विद्यालय, सुंदर विद्यालय,
यही हमारा पहला लक्ष्य।
स्वच्छ परिसर, स्वच्छ शौचालय,
स्वस्थ रहेगा हर एक छात्र!"

शिक्षक (समापन): आइए, आज हम संकल्प लें कि न गंदगी फैलाएँगे, न फैलाने देंगे। अपने विद्यालय को स्वच्छ, सुंदर और प्रेरणादायक बनाएँगे।

सभी (एक स्वर में): "स्वच्छ परिसर – स्वस्थ जीवन, यही है हमारा सच्चा अभियान!"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

कक्षा पुस्तकालय और रीडिंग कॉर्नर — किताबों से दोस्ती, ज्ञान की नई राह

शिक्षक साथियों, क्या हमारे स्कूलों में एक बड़ी केंद्रीय लाइब्रेरी (Central Library) का होना ही काफी है? बाल मनोविज्ञान कहता है कि प्राथमिक स्तर का एक छोटा बच्चा अक्सर मुख्य पुस्तकालय के भारी-भरकम अलमारियों और कड़े नियमों के बीच जाने से झिझकता है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) और निपुण भारत (NIPUN Bharat) मिशन के मानक स्पष्ट रूप से वकालत करते हैं कि हर प्राथमिक कक्षा के भीतर ही एक 'रीडिंग कॉर्नर' (पठन कोना) या 'कक्षा पुस्तकालय' होना चाहिए। यह एक ऐसा जीवंत स्थान होता है जहाँ किताबें बच्चों से दूर किसी बंद अलमारी में ताले के पीछे नहीं होतीं, बल्कि उनकी आँखों के सामने और उनके हाथों की पहुँच में होती हैं।

कक्षा पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य बच्चों में परीक्षा पास करने के लिए 'रटने' की मजबूरी से अलग, 'आनंद के लिए पढ़ने' (Reading for Pleasure) की आदत विकसित करना है। जब बच्चा अपनी मर्जी से कोई सचित्र कहानी की किताब उठाता है, उसके पन्नों को पलटता है और चित्रों के माध्यम से कहानी गढ़ता है, तो वह वास्तव में स्वतंत्र रूप से सीखने की दिशा में पहला कदम बढ़ा रहा होता है। यह कोना बच्चों की भाषाई दक्षता, कल्पनाशीलता और शब्दावली को अकल्पनीय रूप से समृद्ध करता है।

उदाहरण:

आइए इसे अपनी कक्षा के एक कोने को एक जादुई 'रीडिंग कॉर्नर' में बदलने के व्यावहारिक तरीके से समझते हैं। इसके लिए किसी बड़े बजट की आवश्यकता नहीं है।

भौतिक स्वरूप (कबाड़ से जुगाड़): कक्षा के एक शांत कोने में फर्श पर एक पुरानी दरी या चटाई बिछा दें। दीवारों पर कुछ रंगीन धागे या रस्सी बांधकर कपड़ों सुखाने वाली छोटी क्लिप की मदद से रंग-बिरंगी किताबों को लटका दें (इसे 'लो-कॉस्ट बुक हैंगिंग' कहते हैं)। किताबें इस ऊंचाई पर हों कि कक्षा 2 का बच्चा भी खड़े होकर उन्हें आसानी से छू सके।

सामग्री का चयन: इस कोने में केवल पाठ्यपुस्तकें नहीं होनी चाहिए। यहाँ चित्र-कहानियां (जैसे- पंचतंत्र, चंपक), लोककथाएं, कविताओं के चार्ट, पहेलियों की छोटी किताबें और कॉमिक्स होनी चाहिए। शुरुआती स्तर के बच्चों के लिए 'बिग बुक्स' (बड़े अक्षरों और बड़े चित्रों वाली किताबें) बहुत प्रभावी होती हैं।

प्रबंधन की तकनीक: शिक्षक रोज़ाना के समय-विभाजन में से कम से कम 15-20 मिनट का समय 'स्वतंत्र पठन' (Independent Reading Time) के लिए निश्चित करता है। इस दौरान कोई परीक्षा या सवाल-जवाब नहीं होता। बच्चे अपनी पसंद की किताब चुनते हैं, चटाई पर आराम से बैठते हैं या लेटते हैं और पढ़ते हैं। यदि कोई बच्चा धीमा पाठक है, तो वह केवल चित्र देखता है। शिक्षक भी इस दौरान अपनी एक किताब लेकर बच्चों के साथ बैठता है, जिससे बच्चे शिक्षक को एक 'पाठक' के रूप में देखकर प्रेरित होते हैं।

शिक्षक साथियों, कक्षा पुस्तकालय को जीवंत बनाए रखने के लिए हमें कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। किताबों को हमेशा एक जैसा न रहने दें; हर 15 दिनों में किताबों का रोटेशन (बदलाव) करें ताकि बच्चों का कौतूहल बना रहे। बच्चों को किताबों की जिम्मेदारी सौंपें—हर हफ्ते एक बच्चे को 'कक्षा का पुस्तकालयाध्यक्ष' (Class Librarian) बनाएं, जो किताबों को व्यवस्थित रखने और अपने साथियों को किताबें बांटने का काम संभाले। इससे बच्चों में जिम्मेदारी और नेतृत्व की भावना पैदा होती है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि जो बच्चा पढ़ना सीख जाता है, वह आगे चलकर कुछ भी सीख सकता है। कक्षा पुस्तकालय बच्चों को अक्षरों की दुनिया से प्यार करना सिखाता है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा में किताबों को अलमारी की कैद से आज़ादी मिली है? क्या कल आप अपनी कक्षा के एक सूने कोने को बच्चों का पसंदीदा 'रीडिंग कॉर्नर' बनाने की शुरुआत कर सकते हैं?

.....✍️

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर

बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : खगड़िया, अंक–1"

'संपादकीय'✍️

खगड़िया: सात नदियों का संगम, 'फरकिया' का भूगोल और अनूठा जलीय पारिस्थितिकी तंत्र

भौगोलिक, प्रशासनिक और प्राकृतिक दृष्टिकोण से खगड़िया केवल एक ज़िला नहीं, बल्कि संपूर्ण उत्तर बिहार का सबसे जटिल और संवेदनशील नदी-घाटी बेसिन (River Basin) है। वर्ष 1981 में मुंगेर से अलग होकर स्वतंत्र अस्तित्व में आया यह ज़िला मुंगेर प्रमंडल के अंतर्गत स्थित है। इसकी भौगोलिक सीमाएं उत्तर में सहरसा और समस्तीपुर, पूर्व में भागलपुर और मधेपुरा, दक्षिण में पवित्र गंगा नदी के पार मुंगेर और भागलपुर तथा पश्चिम में बेगूसराय और समस्तीपुर ज़िले को स्पर्श करती हैं। एनएच-31 और पूर्व-मध्य रेलवे के बरौनी-कटिहार रेलखंड पर स्थित होने के कारण यह ज़िला मिथिलांचल, अंग प्रदेश और कोसी क्षेत्र के बीच एक अनिवार्य भौगोलिक सेतु का कार्य करता है।

इस ज़िले के संपूर्ण भूगोल और इतिहास को समझने के लिए इसके ऐतिहासिक नाम 'फरकिया' (Farkiya) को समझना आवश्यक है। मुग़ल काल में राजा टोडरमल ने जब इस क्षेत्र का सर्वेक्षण करना चाहा, तो अत्यधिक नदियों, घने जंगलों और दुर्गम कछारों के कारण वे इस क्षेत्र को मुख्य भूमि से 'फ़र्क' (अलग) मानकर छोड़ गए, जिससे इसका नाम फरकिया पड़ा। खगड़िया का संपूर्ण धरातल गंगा, बूढ़ी गंडक, बागमती, कमला, बलान, कोसी और काली कोसी जैसी सात शक्तिशाली नदियों के प्रवाह और उनके मिलन से निर्मित हुआ है। यह ज़िला चारों तरफ से नदियों से घिरा हुआ एक प्राकृतिक टापू (River Island) प्रतीत होता है, जिसकी मिट्टी मुख्य रूप से 'नवीन जलोढ़' (खादर) और गाद से निर्मित है जो कृषि के लिए असाधारण रूप से उर्वर है।

इस विशिष्ट मैदानी भूगोल की सबसे अनूठी स्थानीय पारिस्थितिकी यहाँ पाए जाने वाले विस्तृत 'दियारा' क्षेत्र और 'चौर' (Wetlands) हैं। मानसून के महीनों में नदियाँ अपने साथ हिमालयी क्षेत्रों से प्रचुर मात्रा में सूक्ष्म पोषक तत्व और सिल्ट (गाद) लेकर आती हैं, जो बाढ़ का पानी उतरने के बाद खेतों में एक प्राकृतिक उर्वरक परत छोड़ जाती हैं। यहाँ की जलवायु उष्णकटिबंधीय नम मानसूनी है। इस विशिष्ट जलीय और मिट्टी के प्रोफाइल के कारण खगड़िया मक्का उत्पादन (Maize Production) में देश के शीर्ष ज़िलों में शुमार है। यहाँ के 'पीले सोने' (मक्के) की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता और गुणवत्ता इतनी उत्कृष्ट है कि यहाँ से मक्का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में स्टार्च व फूड प्रोसेसिंग इकाइयों के लिए भेजा जाता है।

परंतु, इस प्रचुर जलीय संपदा का दूसरा पहलू अत्यधिक चुनौतीपूर्ण है। सात नदियों के संगम पर स्थित होने के कारण खगड़िया प्रत्येक वर्ष मानसून के दौरान बिहार की सबसे भीषण बाढ़ और कटीले भू-कटाव (River Bank Erosion) की विभीषिका का सामना करता है। कोसी और बागमती का बार-बार अपना रास्ता बदलना (Meandering) यहाँ के भूगोल को हर साल एक नया स्वरूप दे देता है। कई प्रखंड (जैसे अलौली, बेलदौर और चौथम) महीनों तक मुख्य भूमि से कटे रहते हैं। लेकिन इस जल-तांडव के बीच यहाँ के किसानों की जिजीविषा और साहस अद्वितीय है, जो बाढ़ के पानी के हटते ही 'दियारा कृषि' (Diara Cultivation) के माध्यम से मक्का, गेंहू, परवल और तरबूज की फसलों से धरती को दोबारा हरा-भरा कर देते हैं।

लोकल से लोकल भौगोलिक साक्ष्यों, सात नदियों के इस अनूठे जाल और खगड़िया के इस विशिष्ट 'फरकिया भूगोल' का यह प्रामाणिक विश्लेषण उत्तर बिहार की नदी-घाटी आर्थिकी और आपदा प्रबंधन की चुनौतियों को समझने के लिए एक अचूक दृष्टि प्रदान करता है।

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

🙏 भावभीनी विदाई एवं कृतज्ञता ज्ञापित 🙏

"विदाई तो केवल एक दस्तूर है, आपके कार्यों की महक इस चम्पारण की माटी में सदा जीवित रहेगी!"
यह समय पश्चिमी चम्पारण, बेतिया के संपूर्ण शिक्षा जगत के लिए अत्यंत भावुक और हृदय को भारी कर देने वाला है। हमारे मार्गदर्शक, अत्यंत लोकप्रिय और चम्पारण के कोने-कोने में शिक्षा की अलख जगाने वाले आदरणीय जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री रवींद्र कुमार सर को हम सभी आज नम नयनों से विदाई दे रहे हैं।

"सौम्यता जिनकी पहचान रही, सहजता जिनका व्यवहार था,
हर शिक्षक के दिल में बसने वाला, वो चम्पारण का गौरव आधार था।"

अमिट छाप और बेमिसाल कार्यशैली:

श्री रवींद्र कुमार सर का कार्यकाल चम्पारण के इतिहास में एक 'स्वर्णिम अध्याय' के रूप में याद किया जाएगा। शिक्षा जगत में ऐसे प्रशासनिक अधिकारी बिरले ही देखने को मिलते हैं जिन्होंने पद की गरिमा के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं को सर्वोपरि रखा।

सुलभता और सहजता: आपकी सबसे बड़ी खूबी आपकी सुलभता रही। ज़िले का साधारण से साधारण शिक्षक या कर्मचारी भी बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी समस्याओं को लेकर आपके समक्ष उपस्थित हो सकता था। आपने कभी किसी को निराश नहीं किया।

शिक्षकों के दिलों में वास: अपनी सौम्यता और बेहतरीन कार्यशैली से आपने केवल दफ्तर नहीं चलाया, बल्कि चम्पारण के हज़ारों शिक्षक-शिक्षिकाओं के दिलों में एक पारिवारिक सदस्य की तरह अपनी जगह बनाई है।

सकारात्मक नेतृत्व: मुश्किल से मुश्किल विभागीय चुनौतियों को भी मुस्कुराते हुए और शांत रहकर सुलझाना आपकी विशिष्ट कला रही है, जिसने पूरे जिले के शैक्षणिक वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया।

💔

आदरणीय सर, प्रशासनिक नियमों के तहत आपका स्थानांतरण भले ही हमें आपसे शारीरिक रूप से दूर कर रहा है, परंतु आपके द्वारा किए गए सुधार, आपकी सादगी और आपका स्नेह हमेशा चम्पारण की पाठशालाओं में मार्गदर्शक बनकर जीवित रहेगा। आपके विदाई के इस क्षण पर शब्द कम पड़ रहे हैं और हर आँख नम है।

🤲 मंगलकामनाएं एवं सादर आभार

चम्पारण का समस्त शिक्षा परिवार आपके प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता और आभार प्रकट करता है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आपका आगामी जीवन और नई ज़िम्मेदारी का कार्यकाल सफलता, उत्तम स्वास्थ्य और असीम आनंद से परिपूर्ण हो। आप जहाँ भी जाएँ, अपनी कार्यकुशलता से सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करें।

चम्पारण की ऐतिहासिक धरा से आपको सादर प्रणाम, नमन और भावभीनी विदाई!

शैलेन्द्र...!🙏🙏🙏

हार्दिक अभिनंदन एवं आत्मीय स्वागत

"अनुभव के संचित आलोक और कुशल नेतृत्व का ऐतिहासिक पुनरागमन!"

अत्यंत हर्ष, गौरव और उल्लास का विषय है कि पश्चिमी चम्पारण, बेतिया की पावन ऐतिहासिक धरा पर शिक्षा जगत को एक नया संबल, एक नई ऊर्जा और एक दूरदर्शी विज़न देने के लिए आदरणीय श्री राजन कुमार जी का जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO) के रूप में पुनरागमन हो रहा है। कार्यकुशलता जिनकी विशिष्ट पहचान है और शिक्षा का सर्वांगीण संवर्धन जिनका परम ध्येय है, ऐसे कर्मठ, न्यायप्रिय एवं संवेदनशील शिक्षा सारथी का बेतिया की इस महान भूमि पर चम्पारण शिक्षा परिवार कोटि-कोटि अभिनंदन करता है।

श्री राजन कुमार जी हमारे ज़िले के लिए कोई नया नाम नहीं हैं। पूर्व में भी इस ज़िले में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (DPO) के रूप में स्थापना, समग्र शिक्षा अभियान, पीएम पोषण (मध्याह्न भोजन योजना), माध्यमिक शिक्षा तथा साक्षरता विभाग में दी गई आपकी शानदार, पारदर्शी और ऐतिहासिक सेवाएँ आज भी हर शिक्षक, शिक्षिका और छात्र के मानस पटल पर अमिट रूप से अंकित हैं। शिक्षा के लोकतंत्रीकरण, प्रशासनिक सुगमता और धरातल पर कल्याणकारी सरकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ उतारने की आपकी अनूठी कला और अनुकरणीय योगदान हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है।

चम्पारण से विदा होने के उपरांत भी आपकी कर्मठता और विजय-यात्रा अनवरत जारी रही। कैमूर और गोपालगंज जैसे महत्वपूर्ण जिलों में जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO) के रूप में आपका कार्यकाल अत्यंत गौरवशाली और उपलब्धियों से भरा रहा। कैमूर में जहाँ आपने अपने प्रशासनिक कौशल से शैक्षणिक अनुशासन की नई इबारत लिखी, वहीं गोपालगंज में बुनियादी शिक्षा के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों के आधुनिकरण और शिक्षक-हितों की त्वरित रक्षा के लिए आपके द्वारा किए गए अभिनव प्रयोगों की गूंज आज भी पूरे राज्य के शिक्षा जगत में सुनाई देती है। इन दोनों जिलों को विकास के शीर्ष पायदान पर पहुँचाने का आपका समृद्ध अनुभव अब हमारे चम्पारण को मिलने जा रहा है।

आपका पुनः इस ज़िले में शीर्ष प्रशासनिक नेतृत्व के रूप में आना इस बात का अकाट्य साक्ष्य है कि पश्चिमी चम्पारण में शिक्षा व्यवस्था अब प्रगति के एक नए और स्वर्णिम युग में प्रवेश करने जा रही है। हमें आशा ही नहीं, अपितु पूर्ण विश्वास है कि आपके इस नए और ऊर्जावान कार्यकाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के क्रियान्वयन, निपुण भारत मिशन और बुनियादी साक्षरता के लक्ष्यों को एक तीव्र और नई गति प्राप्त होगी। आपके कुशल मार्गदर्शन में विद्यालयों का परिवेश और अधिक सुदृढ़, अनुशासित, पारदर्शी तथा छात्र-केंद्रित बनेगा, जिससे हमारे नौनिहालों का भविष्य सुरक्षित होगा।

इस नव-आगमन पर संपूर्ण शिक्षक समाज, शिक्षिकाएं, शिक्षाविद् और समस्त चम्पारण वासी आपके कुशल समन्वय, संवेगात्मक नेतृत्व और बेदाग प्रशासनिक छवि पर गर्व महसूस करते हुए अपनी असीम शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं। हमें पूरा भरोसा है कि आपके दिशा-निर्देशन में बेतिया शिक्षा के क्षेत्र में बिहार राज्य में ही नहीं, अपितु देश के मानचित्र पर अपनी एक विशिष्ट और गौरवशाली पहचान स्थापित करेगा। चम्पारण की इस ऐतिहासिक, पावन एवं क्रांतिकारी धरा पर आपका पुनः हृदय की असीम गहराइयों से सादर अभिनंदन, वंदन और स्वागत है!

विनीत:
समस्त शिक्षक वृन्द एवं शिक्षा परिवार
पश्चिमी चम्पारण, बेतिया (बिहार)

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 -9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org